University in News on 27 June 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

मंगल अभियान की मुखिया दिखेंगी वॉल ऑफ फेम में

लविवि : नैक निरीक्षण के मद्देनजर खूबियों को प्रस्तुति योग्य बनाने में जुटे विभाग

अक्षय कुमार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नैक निरीक्षण की तिथि तय होने के बाद तैयारियां तेज हो गई हैं। हर विभाग कुछ अलग दिखने की तैयारी में लगा है। इसी क्रम में विभिन्न स्तरों पर मेडल पाने वाले मेडल होल्डर एक बार फिर विभागों में चमकेंगे। यहां मेरिटोरियस स्टूडेंट्स की जानकारी भी रहेगी। वहीं, वॉल ऑफ फेम में विभागों का जोर इंटरनेशनल पर्सनैलिटी पर ज्यादा है। इनमें रॉकिट वुमेन ऑफ इंडिया के नाम से चर्चित पूर्व छात्रा रितु करिधल और स्पेस साइंटिस्ट अनिल भारद्वाज हैं।

विश्वविद्यालय में नैक टीम का भ्रमण 11 से 13 जुलाई तक होना है। इसे लेकर विभागों में युद्ध स्तर पर तैयारियां और साफ-सफाई का काम चल रहा है। साथ ही सभी विभाग अपनी वेबसाइट को बेहतर और अपडेट कर रहे हैं। शिक्षकों के डेट से लेकर उनके प्रकाशन की जानकारी अपलोड की गई है। डेटा अपग्रेडेशन, फाइलों के रखरखाव से लेकर अन्य चीजों को भी दुरुस्त किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के हर विभाग की अपनी अलग खासियत है, जिसे ध्यान में रखकर वह तैयारी कर रहे हैं। साइंस के अधिकतर विभागों के अपने शोध, लैब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमके छात्र हैं, जिसे वे प्रस्तुत करेंगे। भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. एनके पांडेय ने बताया कि हमारी पूर्व छात्रा रितु करिधल डिप्टी डायरेक्टर मंगलयान व डिप्टी डायरेटर चंद्रयान टू रही हैं। उनकी गिनती रॉकिट वुमेन ऑफ इंडिया में गिनती होती है। वहीं स्पेस साइंटिस्ट अनिल भारद्वाज जैसे अंतरराष्ट्रीय पर्सनैलिटी वाले पूर्व छात्रों की वॉल ऑफ फेम तैयार करवा रहे हैं। अन्य तैयारियों को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है।

वहीं, सोशल वर्क के हेड प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने बताया कि हमारे यहां एक्टिविटी ज्यादा होती है। इसे देखते हुए हम एक फोटो गैलरी कोलाज के रूप में तैयार कर रहे हैं। वर्ष 2012-13 से हब के मेडल होल्डर के फोटो कोलॉज भी विभाग में प्रदर्शित करेंगे। हर पीएचडी स्टूडेंट की अपनी अलग प्रगति रिपोर्ट तैयार की गई है। वेबसाइट अपडेट कर दी गई है। विभाग में स्टूडेंट काउंसिल का गठन पहले ही किया जा चुका है।

कई विभागों में फिर चमकेंगे मेडल होल्डर

- रॉकेट वुमेन ऑफ इंडिया के नाम से चर्चित रितु करिधल रहीं हैं डिप्टी डायरेक्टर मंगलयान व डिप्टी डायरेटर चंद्रयान टू
- स्पेस साइंटिस्ट अनिल भारद्वाज भी हैं वॉल ऑफ फेम में

रॉकेट वुमेन ऑफ इंडिया रितु करिधल।

नैक की तैयारियों के मद्देनजर लगाए गए विभिन्न कार्यक्रमों के आर्ट वर्क। -संवाद

एआईएच, जियोलॉजी म्यूजियम को प्रस्तुति योग्य बनाएंगे

विवि के कई विभागों के पास काफी महत्वपूर्ण व पुराने म्यूजियम हैं। पिछले दिनों कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अपने निरीक्षण में एआईएच, जियोलॉजी आदि विभागों को अपने म्यूजियम को प्रस्तुति योग्य बनाने को कहा है। इसी क्रम में विभागों द्वारा अपना प्रेजेंटेशन तैयार कर नैक समन्वय टीम को भेजा जा चुका है। जहां वे उसका परीक्षण कर अगर कोई सुधार की जरूरत होगी तो वह संबंधित विभाग को इसके लिए सूचित करेंगे।

लविवि : बीटेक, एमएससी का परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने रविवार को एमएससी अप्लाइड जियोलॉजी तीसरे सेमेस्टर, बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग आठवें सेमेस्टर व एमए परसियन पहले सेमेस्टर का परिणाम जारी किया है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के अनुसार विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

i-NEXT PAGE 4

सेमेस्टर परीक्षा के परिणाम जारी

एलयू की वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं रिजल्ट

LUCKNOW (26 June) : लखनऊ विश्वविद्यालय ने रविवार को बीटेक अंतिम (आठवें) सेमेस्टर, एमएससी एप्लाइड जियोलाजी तीसरे सेमेस्टर व एमए पर्शियन प्रथम सेमेस्टर परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए. छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से परिणाम देख सकते हैं. बीटेक अंतिम सेमेस्टर में मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग ब्रांच के परिणाम शामिल हैं. इनमें 42.3 फीसद विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी आनर्स के साथ उत्तीर्ण किया है. वहीं, 45.06 फीसद ने प्रथम श्रेणी में सफलता पाई है. बीटेक अंतिम सेमेस्टर के 90 फीसद विद्यार्थियों का प्लेसमेंट कई प्रतिष्ठित कंपनियों में हो चुका है. बहुत से छात्र ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग(गेट)-2022 परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं, जिन्हें देश के उच्च तकनीकी शिक्षा संस्थानों में प्रवेश लेना है.

कैडेटों ने किया जागरूक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 63 यूपी बटालियन एनसीसी की ओर से रविवार को अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मालवीय सभागार के सामने बने मैदान में कमांडिंग आफिसर कर्नल सुमित पुरी व एसोसिएट एनसीसी अधिकारी कैप्टन किरण लता डंगवाल के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में कैडेट्स के बीच पोस्टर व भाषण प्रतियोगिता भी हुई। इसके अलावा कैडेट्स ने कैंपस में जागरूकता मार्च भी निकाला। (जासं)

JAGRAN CITY PAGE III

आठ जिलों में मिला 174 राज गिद्धों का बसेरा

अखिल सक्सेना • लखनऊ

आपने लाल सिर वाले या राज गिद्ध के बारे में सुना होगा। अपनी भारी कद-काठी व लाल रंग वाले दुर्लभ प्रजाति के इन गिद्धों की संख्या भारत में बेहद कम है। लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के शोध छात्र अंकित सिन्हा की ओर से उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के आठ जिलों में तीन साल तक किए गए सर्वे में सिर्फ 174 लाल गिद्धों का बसेरा देखने को मिला है। इनमें पांच साल के ऊपर उम्र के 132 और एक से सवा साल की उम्र के 42 लाल गिद्धों के बच्चे शामिल हैं। विभिन्न प्रजाति के यह गिद्ध किसी समूह में न होकर अकेले या मादा के साथ ही देखे गए। इंटरनेशनल जर्नल आफ जूलाजिकल इन्वेस्टिगेशन में इसका शोध पत्र प्रकाशित होने के साथ-साथ हाल में थीसिस भी जमा हो चुकी है।

भारत में करीब नौ प्रकार के गिद्ध पाए जाते हैं। इनमें राज गिद्ध के साथ देसी गिद्ध, सफेद गिद्ध, काला गिद्ध, हिमालयी गिद्ध, यूरेशियाई गिद्ध, पतल चोंच गिद्ध सहित एक अन्य नाम शामिल है। जंतु विज्ञान विभाग की प्रो. अमिता कनौजिया के निर्देशन में शोध कर रहे छात्र अंकित सिन्हा ने बताया कि गिद्धों पर सर्वे के लिए वर्ष 2018 से डेटा इकट्ठा करना शुरू किया गया था। कुल 13 जिलों का चयन किया गया था। इनमें से सिर्फ आठ जिलों में ही राज गिद्ध देखने को मिले।

300 मीटर से ज्यादा की ऊंचाई पर मिले गिद्ध: मध्य प्रदेश के छतरपुर में 17, दमोह में 48, पन्ना में 45, सागर में 48, टीकमगढ़ सात और उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में पांच, झांसी में एक व ललितपुर में तीन राज गिद्ध पाए गए। 300 मीटर या उससे भी ऊंची जगहों पर लगे पेड़ों पर इनका घोसला मिला। यह अन्य गिद्धों से अलग अकेले या मादा के साथ रहते हैं। खास बात यह है कि जहां भी राज गिद्ध घोसला बनाता है, वहां से एक किलोमीटर के दायरे में दूसरा राज गिद्ध घोसला नहीं बना सकता। लाल सिर और काले पंख वाले नर राज गिद्ध की आंखें सफेद या हल्के पीले रंग में तथा मादा गिद्ध की आंखें भूरे रंग की होती हैं।

खाने के लिए राज गिद्ध का रहता है इंतजार: शोधार्थी अंकित के मुताबिक राज गिद्ध की अनुपस्थिति में कोई भी गिद्ध जानवर के शव को खोल नहीं सकता, क्योंकि इनके पंजे और चोंच बहुत मजबूत नहीं होते। यदि जानवर का शव किसी वजह से खुला नहीं है तो राज गिद्ध ही इसको अपनी चोंच से फाड़ता है। सबसे पहले खुद ही खाता है। उसके बाद बाकी गिद्ध खाना आरंभ करते हैं। सर्वेक्षण से पूर्व शोध पत्रों में भी इसका जिक्र है।

चित्रकूट में मिला राज गिद्ध व मध्य प्रदेश के छतरपुर में राज गिद्धों का सर्वे करते लवि के शोध छात्र अंकित सिन्हा व अन्य • सौः लवि

लखनऊ विश्वविद्यालय : बीटेक, एमएससी, एमए के सेमेस्टर परीक्षा परिणाम जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने रविवार को बीटेक अंतिम (आठवें) सेमेस्टर, एमएससी एप्लाइड जियोलाजी तीसरे सेमेस्टर व एमए पर्शियन प्रथम सेमेस्टर परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से परिणाम देख सकते हैं। बीटेक अंतिम सेमेस्टर में मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग ब्रांच के परिणाम शामिल हैं। इनमें 42.3 फीसद विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी आनर्स के साथ उत्तीर्ण किया है। वहीं, 45.06 फीसद ने प्रथम श्रेणी में सफलता पाई है। बीटेक अंतिम सेमेस्टर के 90 फीसद विद्यार्थियों का प्लेसमेंट कई प्रतिष्ठित कंपनियों में हो चुका है। बहुत से छात्र ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग(गेट)-2022 परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं, जिन्हें देश के उच्च तकनीकी शिक्षा संस्थानों में प्रवेश लेना है।